केदार पाण्डेय समाज कल्याण संघ, पश्चिम चम्पारण

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष (2018–19)

केदार पाण्डेय समाज कल्याण संघ संस्था अधिनियम (21) 1860 के अन्तर्गत बिहार सरकार के निबंधन विभाग द्वारा निबंधित एक गैर सरकारी संगठन है। यह सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा समर्पित भाव से प्रयासरत रहती है। संस्था वित्तीय वर्ष 2018–19 में निम्नलिखित ज्वंलत कार्यक्रमों को सम्पादित करने का प्रयास किया हैः–

(1) **व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र :–** नशीले पदार्थ का व्यसन देश, राज्य, समाज एवं परिवार के लिए गम्भीर समस्या होता जा रहा है। भविष्य खतरे में है। इस समस्या से निजात पाने के लिए संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 15 शैया का व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र, बेतिया, पश्चिम चम्पारण (बिहार) में चलाया जा रहा है। संस्था के कार्यकर्त्ता गोष्ठी एवं सभा करके नशीले पदार्थ के व्यसन से होने वाले समस्याओं के बारे में लोगों को विस्तृत रुप से बताते हैं। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा जाता है। लोगों को इससे निजात पाने के विभिन्न उपायों से अवगत करवाते हैं। अभिभावकों को बताया जाता है कि वे अपने बच्चों के दिनचर्या पर ध्यान दें तथा यदि दिनचर्या में किसी प्रकार की तब्दीली दिखाई दे तो सतर्क हो जाऐं। उन्हें समझाने का प्रयास करें। साथ–ही–साथ हमारे संस्था के कार्यकर्ता से सहयोग लें। हम आपके हर समस्या के निजात के लिए हमेशा तत्पर हैं। इस वर्ष 179 नशीले पदार्थ के व्यसनियों का ईलाज किया गया है।

(2) **स्वच्छता पखवाड़ाः–** संस्था द्वारा संचालित व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र, बेतिया के कार्यकर्त्ताओं ने जुलाई में (16.07.2018 से 31.07.2018) स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया, जिसमें संस्था के कार्यकर्त्ताओं के साथ साथ समाज के लोगों ने तहे दिल से भाग लिया। विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता के महत्ता को बताया गया। झौआटोला गॉव में स्वच्छता अभियान के तहत् सड़क की सफाई की गई जिसमें संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ साथ गॉव के लोगों ने भाग लिया। स्वच्छता पखवाड़ा का समापन 31.7.2018 को राजकीय प्राथमिक विद्यालय, झौआटोला के प्रागण में किया गया। जिसमें विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र–छात्राओं तथा समाजसेवियों ने भाग लिया।

(3) **वृद्धों के कल्याणार्थ कार्यक्रम :–** समाज में वृद्धों की स्थिति बहुत दयनीय है। समाज एकल परिवार में सिमट गया है। वह पत्नी एवं बच्चों को परिवार मानकर अपने बुजुर्गों को दरकिनार कर दिया है। यही कारण है कि वृद्ध समस्या ग्रस्त जीवन जीने को मजबूर हैं। वे भूल जाते हैं कि वे भी एक दिन वृद्ध होंगे। वृद्धों के समस्या को ध्यान में रखकर संस्था द्वारा डा दिनेश मिश्रा के सहयोग से क्रमशः चनपटिया, बेलवा मोड़, नवलपुर में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। जिससे 214 वृद्धों ने लाभ उठाया। संस्था के द्वारा उन्हें दवा भी मुहैया करवाया गया। वृद्धों के समस्या को सर्वोपरी मानकर उन्हें सही तरीके से जीवन जीने के लिए अग्रसर एवं सहयोग करना होगा क्योंकि वे हमारे धरोहर हैं।

(4) **व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम :–** वर्तमान सरकार व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ज्यादा ध्यान दे रही है जिससे बेरोजगारी से निजात पाया जा सके। व्यावसायिकरण के दौड़ में हम सबों का कर्तव्य है कि समाज के युवा वर्ग को ज्यादा से ज्यादा व्यावसायिक प्रशिक्षण की ओर अग्रसर करें। बेरोजगारी से निजात पाने के लिए हमें अन्य विकल्प पर ध्यान देना होगा। संस्था द्वारा सभी वर्गो के लिए एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। जिसमें 20 युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस केन्द्र में स्क्रिन प्रिंटिग, मोमबती निर्माण, अगरबती निर्माण एवं ब्युटिशियन का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त वे आर्थिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता भी उन्हें आवश्यकतानुसार सहयोग करते हैं।

(5) **शिक्षा कार्यक्रम :–** संस्था के कार्यकर्त्ताओं द्वारा समाज के लोगों को गोष्ठी एवं सभा के माध्यम से प्रेरित किया जाता है कि वे अपने बच्चे को विद्यालय जरूर भेजें तथा उनके पढ़ाई पर ध्यान दें। शिक्षित समाज ही देश को आगे बढाने में सहयोग कर सकता है। बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। इसलिए देश के भविष्य को उज्जवल बनाने में समाज के हर वर्ग का सहयोग आवश्यक है। समाज को शिक्षित करने की दिशा में संस्था कृत संकल्प है। संस्था के द्वारा बैरिया प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री वितरित किया गया। आज महँगाई के समय में शिक्षा बहुत कीमती होता जा रहा है, किन्तु जितना संसाधन हो उसके अनुसार खर्च करके बच्चों को शिक्षित करने की जरुरत है।

(6) **जागरुकता कार्यक्रम :–**इस वर्ष निम्नलिखित जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। सभी जागरुकता कार्यक्रम वर्तमान समय के ज्वंलत समस्याओं पर केन्द्रित था –

क) **अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार निरोधक दिवस** (International Day against Drug Abuse Prevention and Illicit Trafficking) **26 जुन,2018** – इस अवसर पर एशियन कान्भेन्ट विद्यालय, बानुछापर, बेतिया के प्रांगण में एक जागरुकता–सह–कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं, शिक्षकों, कार्यकर्त्ताओं, व्यसन से मुक्त व्यक्तियों तथा समाज के बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। युवा वर्ग आज बहुत भयावह स्थिति से गुजर रहा है जिसपर ध्यान देना जरुरी हो गया है। वे किसी समस्या को झेल नहीं पा रहे है। बल्कि उससे निजात पाने के लिए मादक पदार्थ का सहारा लेने लगे हैं। उनके इस व्यवहार का फायदा समाज के असामाजिक तत्व उठाने लगे हैं। जिसका नतीजा है कि वे नशा के मकड़जाल में फँसते जा रहे हैं। हमें इस समस्या पर विचार करना चाहिए जिससे देश का भविष्य खराब न हो। कार्यशाला में मादक पदार्थ के व्यसन से ग्रसित लोगों के लक्षण तथा नशीले पदार्थ के व्यसन छोड़ने के विभिन्न तरीकों को सविस्तार बताया गया। यदि इच्छा शक्ति मजबूत हो तो व्यसन से निजात पाया जा सकता है। हमें अपने बच्चे पर ध्यान देना होगा साथ ही साथ यह भी ध्यान देना होगा कि हमारे पड़ोस में कोई अन्जान और संदिग्ध व्यक्ति का पदार्पन तो नहीं हुआ है। कहीं वह कोई असामाजिक तत्व तो नहीं है। अपने तथा पड़ोस़ के बच्चों पर ध्यान दें। हमें इस गम्भीर समस्या को हल्के में नहीं लेना है अन्यथा समय चुकने पर समस्या भयावह रुप धारण कर लेगा। व्यसन से मुक्त व्यक्तियों ने भी अपने अनुभव से लोगों को रुबरु करवाया। उन्होंने व्यसन को छोड़ने में होने वाले कठिनाइयों तथा संस्था के कार्यकर्ताओं के अथक सहयोग के बारे में विस्तार से बताया। उनके द्वारा एक नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति की गयी।

(ख) **अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत** – अपारम्परिक ऊर्जा की बात आते ही समझ में आने लगता है कि ऐसी ऊर्जा जो पारम्परिक ऊर्जा से अलग है। यानि जिस ऊर्जा के बारे में सभी भलीभाँति जानते हैं उस ऊर्जा से अलग ऊर्जा की बात। आज ऊर्जा के बिना किसी कार्य की कल्पना करना भी सोच से परे है। जिस प्रकार से ऊर्जा का खपत बढ़ रहा है उस हिसाब से ऊर्जा का उत्पादन बहुत कम हो रहा है। साथ ही साथ कोयला का भंडार भी सीमित है। इस परिस्थिति में हमें ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, गोबर गैस, पनबिजली पर ध्यान देना होगा। पवन एवं सौर ऊर्जा पर ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है। जिसमें सौर ऊर्जा सर्वोत्तम है जिसका खत्म होना असम्भव है तथा सबसे सुलभ भी है। लोगों को जागरुक करने के लिए शिविर का आयोजन क्रमशः चनपटिया बाजार, बैरिया बाजार में किया गया। इसमें 255 लोगों ने भाग लिया।

(ग) **एड्स** – एड्स दिवस के अवसर पर दिनांक 01 दिसम्बर, 2018 को संस्था द्वारा लौरिया बाजार में एड्स जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 238 गणमान्य व्यक्तियों तथा समाजसेवियों ने भाग लिया तथा अपने–अपने विचारों को रखा। संस्था के कार्यकर्ता द्वारा विस्तृत रुप से इस रोग के बारे में बताया गया। यह ऐसी लाईलाज बीमारी है जिससे जागरूकता के द्वारा ही लड़ा जा सकता है। जिन कारकों से यह बीमारी फैलता है उन कारकों पर यदि ध्यान दिया जाय तो इस बीमारी से बचा जा सकता है। उपस्थित लोगों का सम्मिलित विचार था कि संस्था द्वारा चलाए जा रहे एड्स जागरूकता अभियान में भरपुर सहयोग करेंगे। लोगों के बीच संदेशात्मक पर्चा भी वितरित किया गया। शिविर स्थल पर एड्स विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

(घ) **वातावरण प्रदूषण** – दिनांक 5 जुन, 2018 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उच्च विद्यालय, पुजहाँ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 175 शिक्षक, छात्र, छात्रा, बुद्विजीवियों ने भाग लिया। उपस्थित शिक्षक, छात्र–छात्राओं, लोगों को पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। उन्हें प्रदूषण को कम करने के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। उनसे अपील की गयी कि वे दस पेड़ जरूर लगावें। कल कारखानों से भी प्रदूषण बढ रहा है। उस पर मानकों के आघार पर रोक लगाने की जरुरत है। सरकारी रोक के साथ–साथ समाज के लोगों का भी कर्त्तव्य है कि वे भी इस समस्या पर गम्भीरता से विचार करें अन्यथा गर्मी के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघलेगा तथा समुद्री इलाका जलमग्न हो जाएगा। वातावरण प्रदूषण का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। मौसम में परिवर्तन हो रहा है। गर्मी बढ रहा है। बेमौसम बरसात हो रहा है। इस अवसर पर चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चों ने पर्यावरण प्रदूषण की समस्या को दर्शाते हुए चित्रांकन किया। अच्छे चित्रांकन में से तीन बच्चों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।

(च) **जनसंख्या नियंत्रण** – वर्तमान समय में जनसंख्या का बढना सबसे बड़ी समस्या होती जा रही है। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तब वह दिन दूर नहीं जब हमें खाने को अन्न तथा रहने को घर नहीं मिलेगा। लोगों से अपील की गयी कि वे अपने परिवार को दो तक सीमित करने का प्रयास करें तथा अन्य को भी प्रेरित करें। इस शिविर का आयोजन चनपटिया बाजार में किया गया। जिसमें लगभग 165 लोगों ने भाग लिया।

संस्था उपरोक्त कार्यक्रमों के संचालन के साथ–साथ अन्य ज्वलंत समस्याओं के प्रति गहरी सोच रखती है। आवश्यकतानुसार अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से समस्या समाधान की ओर अग्रसर रहती है तथा भविष्य में भी रहेगी।